भारत सरकार

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 4223

मंगलवार, 19 अगस्त, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

बौद्धिक संपदा अधिकार जागरूकता कार्यक्रम

4223. श्री अरुण नेहरूः

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2020 से डीपीआईआईटी (उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग) समर्थित योजनाओं के अंतर्गत स्वदेशी ज्ञान का व्यवसायीकरण करने वाले स्टार्टअप्स या एमएसएमई की राज्यवार और वर्षवार संख्या कितनी है;

(ख) वर्ष 2020 से डीपीआईआईटी या आईपीआर संवर्धन एवं प्रबंधन प्रकोष्ठ (सीआईपीएएम) के अंतर्गत स्वदेशी समुदायों पर केंद्रित बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) जागरूकता और आउटरीच कार्यक्रमों की राज्यवार और वर्षवार संख्या कितनी है;

(ग) डीपीआईआईटी द्वारा प्रशासित मौजूदा आईपीआर ढांचे के अंतर्गत स्वदेशी ज्ञान और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के संरक्षण के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(घ) स्वदेशी उत्पादों के लिए भौगोलिक संकेतकों (जीआई) के पंजीकरण को सुगम बनाने और सामुदायिक लाभ सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार डीपीआईआईटी की आईपीआर रणनीति के अंतर्गत राष्ट्रीय स्वदेशी ज्ञान संरक्षण और व्यावसायीकरण नीति शुरू करने पर विचार कर रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जितिन प्रसाद)

(क): डीपीआईआईटी से सहायता प्राप्त स्कीमों के अंतर्गत स्वदेशी ज्ञान का व्यवसायीकरण करने वाले स्टार्टअप/एमएसएमई की संख्या का डाटा विभाग द्वारा नहीं रखा जाता है। हालांकि, सूचित किया जाता है कि स्टार्टअप इंडिया पहल की शुरुआत के बाद से, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा स्टार्टअप के रूप

में मान्यताप्राप्त कंपनियों की संख्या 30 जून, 2025 तक की स्थिति के अनुसार 1,80,683 है।

(ख): सीपैम या डीपीआईआईटी द्वारा केवल स्वदेशी समुदायों पर केंद्रित कोई विशिष्ट आईपीआर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित नहीं किए जाते हैं। पिछले कुछ वर्षों में सीपैम द्वारा आयोजित आईपीआर जागरूकता कार्यक्रमों का विवरण **अनुबंध-I** में संलग्न है।

(ग): सरकार ने डीपीआईआईटी द्वारा प्रशासित आईपीआर ढांचे के अंतर्गत स्वदेशी और पारंपरिक ज्ञान की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं:

- **पेटेंट अधिनियम, 1970 की धारा 3(पी) के अंतर्गत पेटेंट नहीं किए जाने का प्रावधान:** पारंपरिक ज्ञान पर आधारित आविष्कार या ज्ञात गुणों की नकल को पेटेंट नहीं करवाया जा सकता।

- **पारंपरिक ज्ञान डिजिटल लाइब्रेरी (टीकेडीएल) के माध्यम से रक्षात्मक संरक्षण और कानूनी हस्तक्षेप:** सीएसआईआर द्वारा 2001 में स्थापित टीकेडीएल में आयुर्वेद, सिद्ध, सोवा रिग्पा और योग से संबंधित 5.2 लाख से अधिक सूत्र और अभ्यास के दस्तावेज शामिल हैं। टीकेडीएल पारंपरिक ज्ञान को पेटेंट कराने से रोकने के लिए और साक्ष्य से पेटेंट जांचकर्ता को सहायता प्रदान करने के लिए एक पूर्ववर्ती आर्ट डाटाबेस के रूप में कार्य करता है। टीकेडीएल साक्ष्य का उपयोग पेटेंट प्रदान किए जाने से पूर्व के विरोधी दावों तथा नवीनता या आविष्कार के अभाव वाले पेटेंट आवेदनों को चुनौती देने के लिए तृतीय-पक्ष टिप्पणियों हेतु किया जाता है।

- **संस्थागत सहायता:** राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए), जयपुर ने समर्पित आईपीआर नीतियां लागू की हैं और डीपीआईआईटी के प्रावधानों के तहत एक समर्पित आईपीआर पीठ को भी मंजूरी दी गई है।

- **क्षमता निर्माण:** आयुष मंत्रालय का राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ (आरएवी), नियमित रूप से आईपीआर प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन करता है। इसका उद्देश्य आयुष क्षेत्र में कार्यरत पेशेवर कर्मियों और उद्यमियों को बौद्धिक संपदा संरक्षण और व्यवसायीकरण के बारे में जागरूक और सशक्त बनाना है।

- आयुष क्षेत्र में आविष्कारों के लिए पेटेंट संरक्षण प्राप्त करने के इच्छुक आवेदकों के बेहतर मार्गदर्शन के लिए **आयुष संबंधी आविष्कारों के लिए दिशानिर्देश** जारी किए गए हैं।

(घ): किसी उत्पाद को भौगोलिक संकेतक (जीआई) का दर्जा प्रदान करने का विषय माल का भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 और माल का भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) नियम, 2002 द्वारा निर्देशित होता है। किसी उत्पाद को जीआई के रूप में पंजीकृत करने के लिए आवेदन **विधि द्वारा या उसके तहत स्थापित, व्यक्तियों, उत्पादकों, संगठनों, प्राधिकरणों के किसी ऐसे संघ द्वारा** किया जाना चाहिए, जो जीआई के उत्पादकों के हितों का प्रतिनिधित्व करता हो। आवेदक को, किसी उत्पाद के जीआई के रूप में पात्र होने और पंजीकृत होने के लिए जीआई अधिनियम और नियमों के अनुसार अपेक्षाओं का अनुपालन करना होगा और आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे। हालांकि, सरकार जीआई टैग वाले उत्पादों के बारे में जागरूकता और प्रचार के माध्यम से विभिन्न पहलें कर रही है, जिनके माध्यम से समुदायों को अपने पारंपरिक उत्पादों के लिए जीआई टैग हेतु आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है (**सूची अनुबंध III में संलग्न है**)। इसके फलस्वरूप, जीआई के लिए दायर किए जाने वाले आवेदन की वार्षिक संख्या **वर्ष 2014-15 में 47 से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 275** तक पहुंच गई है। पंजीकृत जीआई उत्पादों का विवरण डीपीआईआईटी की वेबसाइट पर निम्नलिखित लिंक के अंतर्गत उपलब्ध है-

https://dpiit.gov.in/sites/default/files/Details_GIProducts_18August2025.pdf.

(ङ): इस विभाग में ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

*****

अनुबंध-I

दिनांक 19.08.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4223 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

सीपैम, डीपीआईआईटी के तहत आईपीआर संबंधी जागरूकता पर केंद्रित जागरुकता कार्यक्रमों की संख्या

लक्ष्य समूह	कार्यक्रमों की संख्या
शैक्षिणिक संस्थान (स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, टीआईएससी)	466
एमएसएमई और स्टार्टअप्स सहित उद्योग	403
प्रवर्तन एजेंसियां और न्यायपालिका	140

*****

अनुबंध-III

दिनांक 19.08.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4223 के भाग (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

क्रम.सं.	वर्ष	कार्यकलाप
1	2022-23	**भौगोलिक संकेतकों के बारे में जागरूकता संबंधी पहलें:** विज्ञापन और प्रसार संबंधी व्यावसायिक सेवाएं।
2	2022-23	**जागरूकता कार्यशाला (26 अप्रैल,22):** • जीआई के बारे में जागरूकता के लिए कई स्थानीय कारीगरों हेतु आईआईटी रुड़की के सहयोग से कालसी, देहरादून में एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई।
3	2022-23	**विश्व बौद्धिक संपदा दिवस 2022 (26 अप्रैल, 22):** • डीपीआईआईटी ने भौगोलिक संकेतकों के विभिन्न पहलुओं और उनकी विशिष्टता, विविधता और कलात्मकता को कैप्चर करने संबंधी विषय पर 'राष्ट्रीय फोटोग्राफी प्रतियोगिता' आयोजित की।
4	2022-23	**इंडिया जीआई फेयर (26-28 अगस्त, 22):** • इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में 3 दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
5	2022-23	**जीआई महोत्सव (16-21 अक्तूबर, 22):** • व्यापार सुविधा केंद्र, वाराणसी में एक साप्ताहिक कार्यक्रम आयोजित किया गया • जीआई धारकों के लिए डीपीआईआईटी कार्मिकों के साथ विभिन्न ज्ञान सत्र आयोजित किए गए।
6	2022-23	**विशेष जीआई पवेलियन (14-27 नवंबर, 22):** • आईटीपीओ द्वारा प्रगति मैदान में आयोजित आईआईटीएफ 2022 में विशेष जीआई पवेलियन स्थापित किया गया।
7	2022-23	• भारत के भौगोलिक संकेतकों को लोकप्रिय बनाने के लिए, हिस्ट्री टीवी 18 के सहयोग से विभिन्न भारतीय जीआई को कवर करते हुए 17 प्रचार वीडियो तैयार किए गए। हिस्ट्री टीवी 18 नेटवर्क के विभिन्न चैनलों जैसे हिस्ट्री टीवी 18 - एसडी, हिस्ट्री टीवी 18 -एचडी पर वीडियो प्रसारित किए गए।
8	2022-23	**जीआई पर सोशल मीडिया अभियान:** • डीपीआईआईटी ने राजस्थान सहित देशभर में भारतीय जीआई के प्रचार-प्रसार के लिए सोशल मीडिया अभियान चलाया। • जीआई उत्पादों की खरीद को बढ़ावा देने के लिए त्यौहारों के दौरान, 'गिफ्ट ए जीआई' अभियान शुरू किया गया। • रोचक तथ्यों के माध्यम से जीआई पर जागरूकता फैलाने के लिए 'स्पॉट द जीआई' शुरू किया गया। सीपैम ने 'विंटर जीआई एक्सेसरीज' पर एक अभियान चलाया।

9	2022-23	**जीआई पवेलियन (14-18 मार्च, 23):** • डीपीआईआईटी ने प्रगति मैदान में आहार 2023 में 55 जीआई पंजीकृत उत्पादों के लिए 'जीआई पवेलियन' स्थापित किया। • 'अतुल्य भारत के अमूल्य खजाने' थीम पर 37वें अंतर्राष्ट्रीय खाद्य और आतिथ्य मेले का आयोजन महिला उद्यमियों/कारीगरों की भागीदारी देखी गई।
10	2023-24	**राज्य और संघ राज्य क्षेत्रों के साथ जुड़ावः** • राज्य सरकारें और संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासन द्वारा वर्तमान में उपभोक्ताओं और उत्पादकों दोनों के बीच जीआई के बारे में जागरूकता उत्तपन्न करने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। संबंधित जीआई उत्पादकों का क्षमता निर्माण किया जा रहा है और हैंड होल्डिंग में सहायता की जा रही है तथा जीआईएस की बिक्री और विपणन को सुविधाजनक बनाया जा रहा है।
11	2023-24	**ईपीसीएच जीआई फेयर इंडिया (20-24 जुलाई,23):** इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में जीआई फेयर इंडिया 2023 का दूसरा संस्करण।
12	2023-24	**रेडियो मिर्ची (17-31 अगस्त, 23):** रेडियो मिर्ची ब्रीवरी द्वारा 15 दिनों के लिए जीआई उत्पादों का प्रचार किया गया।
13	2023-24	**यूपी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी (21-25 सितंबर, 23):** इंडियन एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में यूपी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी।
14	2023-24	**श्रीनगर में जीआई महोत्सव (2-8 अक्तूबर, 23)** जीआई को बढ़ावा देने की पहल के भाग के रूप में श्रीनगर में एक सप्ताह का जीआई महोत्सव।
15	2023-24	**जीआई स्टार्टअप चैलेंज (29 दिसंबर 23-20 फरवरी, 24):** डीपीआईआईटी ने स्टार्टअप इंडिया के सहयोग से जीआई ईकोसिस्टम में मौजूद चुनौतियों के लिए स्टार्ट-अप के माध्यम से अभिनव समाधानों की पहचान करने के लिए स्टार्टअप इंडिया पोर्टल पर जीआई स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज आयोजित किया।
16	2023-24	**इंडिया टुडे द्वारा जीआई का प्रचार:** इंडिया टुडे ने राजस्थान सहित देशभर के जीआई को बढ़ावा देने के लिए तीन चरणों में जीआई से संबंधित लेख प्रकाशित किए।
17	2023-24	**नेशनल ज्योग्राफिक द्वारा जीआई का प्रचारः** डीपीआईआईटी ने नेशनल ज्योग्राफिक चैनल के सहयोग से जीआई-आधारित वीडियो लॉन्च किए, जिनमें भारत और सार्क बाजारों में जीआई टैग किए गए उत्पादों पर 5 वृत्तचित्र फिल्मों (8-10 मिनट) का निर्माण, प्रसारण, मार्केटिंग और लाइसेंसिंग शामिल है।
18	2023-24	**कोलकाता में 5 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय हैकेथॉन (8-12 मार्च, 24):** पश्चिम बंगाल राष्ट्रीय न्यायिक विज्ञान विश्वविद्यालय (डब्ल्यूबी एनयूजेएस) ने भौगोलिक संकेतक और संबंधित पारंपरिक ज्ञान सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों पर हैकेथॉन संबंधी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।
19	2024-25	**जीआई केटेलिस्ट (12 जुलाई 2024):** 'जीआई केटेलिस्ट' अंतर्दृष्टि से प्रभाव तक सम्मेलन' 12 जुलाई 2024 को यशोभूमि में आयोजित किया गया था। विभिन्न मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम, हमारी समृद्ध संस्कृति और विरासत को बढ़ावा देते हुए,

		समन्वय और सहयोग के माध्यम से भारत के जीआई इकोसिस्टम को बढ़ाने पर केंद्रित है।
20	2024-25	**इंडियन एयरलाइंस में जीआई का प्रचार-प्रसार (मार्च-जुलाई, 24)** देश के विभिन्न हिस्सों के जीआई उत्पादों के विषय में कुल 12 लेख, विस्तारा, एयर इंडिया, स्पाइसजेट और इंडिगो जैसी प्रमुख एयरलाइनों की इनफ्लाइट पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए (प्रति एयरलाइन 3 लेख)।
21	2024-25	**आउटलुक पत्रिका द्वारा जीआई-थीम वाले विवाह वीडियो:** आउटलुक ग्रुप के सहयोग से जीआई उत्पादों का प्रचार-प्रसार "वेड्स इन इंडिया" अभियान की अवधारणा के माध्यम से भारत के भौगोलिक संकेतकों (जीएलएस) पर वृत्तचित्रों को प्रदर्शित करने के लिए विविध प्लेटफार्मों का लाभ उठाया गया।
22	2024-25	**बर्मिंघम में ऑटम फेयर इंटरनेशनल (1-4 सितंबर, 24):** डीपीआईआईटी के अनुमोदन और वित्तीय सहायता से ईपीसीएच ने बर्मिंघम, यूनाइटेड किंगडम में ऑटम फेयर इंटरनेशनल 2024 में जीआई उत्पादकों की भागीदारी और लाइव प्रदर्शन के साथ भारतीय जीआई मंडप का आयोजन किया।
23	2024-25	**बाजार बर्लिन 2024 (6-10 नवंबर, 24):** जर्मनी के बर्लिन फेयरग्राउंड (एक्सपो सेंटर सिटी) में बाजार बर्लिन 2024 में डीपीआईआईटी ने इन्वेस्ट इंडिया के सहयोग से भारत के जीआई उत्पादों के लिए कार्यक्रम आयोजित किया।
24	2024-25	**नेशनल ज्योग्राफिक द्वारा जीआई का प्रचार (सीजन 2):** • भारत में 'जीआई टैग' के सीजन 1 के सफल प्रसारण के बाद, सीजन 2 के माध्यम से जीआई का प्रचार। शेखर कपूर की आवाज में, जीआई उत्पाद की दुकान के मालिक की सफलता की कहानी पर केंद्रित 60 मिनट की फिल्म का प्रसारण। • नेशनल जियोग्राफिक चैनल इंडिया (एसडी और एचडी) और सार्क देशों में अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगु, बंगाली और कन्नड़ भाषाओं में प्रसारण। • इसके अतिरिक्त, यूट्यूब पर।
25	2024-25	**मास्टरशेफ इंडिया के संपूर्ण सीजन 9 के माध्यम से प्रचार-प्रसार:** भौगोलिक संकेतकों (जीआई) को बढ़ावा देने के लिए डीपीआईआईटी ने सोनी लिव पर मास्टरशेफ इंडिया सीज़न 9 के साथ साझेदारी की है। इस सहयोग के माध्यम से, डीपीआईआईटी का उद्देश्य इस शो की व्यापक पहुंच और लोकप्रियता का लाभ उठाते हुए, कार्यक्रम की कहानी में जीआई-टैग वाले उत्पादों को शामिल करके भारत की समृद्ध पाक विरासत को प्रदर्शित करना है।
26	2024-25	**दिल्ली मेट्रो में जीआई प्रचार गतिविधियां:** दिल्ली मेट्रो के डिब्बों के अंदर डिस्प्ले बोर्ड के माध्यम से जीआई प्रचार की गतिविधियां आयोजित करना।
27	2024-25	**ओरांगो और टाइम द्वारा हवाई अड्डे पर जीआई प्रचार गतिविधियां:** श्रीनगर, उदयपुर, वाराणसी, दिल्ली और मुंबई हवाई अड्डों पर डिजिटल स्क्रीन, डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड, होर्डिंग आदि के माध्यम से जीआई प्रचार गतिविधियां करना।
28	2024-25	**दिल्ली हवाई अड्डे पर जीआई प्रचार गतिविधियां:** केंद्रीय कुटीर उद्योग निगम लिमिटेड के सहयोग से जीआई उत्पादों की बिक्री के लिए समर्पित स्टोर स्थापित करना।
29	2024-25	**भारत मंडपम, दिल्ली में जीआई समागम:** भौगोलिक संकेतकों के महत्व और इसकी अपार विकास संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए, डीपीआईआईटी ने दिनांक 22.01.2025 को "जीआई समागम" का आयोजन किया। इस

		आयोजन ने भारत में जीआई ईकोसिस्टम के प्रमुख हितधारकों, मंत्रालयों/विभागों, केंद्र और राज्य सरकारों के उपयोगकर्ता विभागों, नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं, कारीगरों, उत्पादकों आदि को विचारों के आदान-प्रदान और इस क्षेत्र के भविष्य के विकास पर विचार-विमर्श हेतु एक मंच पर एकजुट किया।

*****